• सम्मान...

राज्यपाल ने सड़क सुरक्षा पुरस्कार किए प्रदान

शिमला : राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आम लोगों को सड़क दुर्घटनाओं के दौरान सहयोग करने के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने पुलिस विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करने की पहल करना सराहनीय है, जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। राज्यपाल पुलिस मुख्यालय में आयोजित सड़क सुरक्षा पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों और प्रवर्तन का मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है जिसके लिए प्रत्येक व्यक्ति, समुदाय और संस्थान के समर्पण और प्रयासों की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल एक पहाड़ी राज्य है इसलिए यहां सड़क सुरक्षा की चुनौतियां अधिक हैं। हालांकि इन चुनौतियों का सामना करने का हमारा संकल्प और भी मजबूत है। सुरक्षात्मक उपायों, जागरूकता और नवीन रणनीतियों के माध्यम से हम सड़क सुरक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में अच्छी सड़क सुविधा के कारण यहां पर्यटकों की आमद वर्षभर अधिक रहती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पर्यटन सीजन के दौरान और सप्ताहांत में औसतन 10 हजार वाहन राज्य में प्रवेश करते हैं। इसके अलावा वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है और प्रतिदिन औसतन 450 वाहनों का पंजीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पुलिस, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग और अन्य विभाग संयुक्त रूप से सड़क दुर्घटनाओं के इस खतरे को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना अत्यन्त आवश्यक है। इससे पहले राज्यपाल ने सड़क सुरक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए पुलिस कर्मियों, लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों और मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया।इस अवसर पर राज्यपाल ने पुलिस विभाग द्वारा तैयार किया गया सड़क सुरक्षा गीत भी जारी किया। इससे पहले, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू ने राज्यपाल का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक गुरदेव चंद शर्मा ने हिमाचल प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित एक प्रस्तुति दी।

• संपादकीय...

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

मजदूरों और श्रमिकों को सम्मान देने के उद्देश्य से हर साल दुनियाभर में मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूरों के नाम समर्पित यह दिन 1 मई है। मजदूर दिवस को लेबर डे, श्रमिक दिवस या मई डे के नाम से भी जाना जाता है। श्रमिकों के सम्मान के साथ ही मजदूरों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने के उद्देश्य से भी इस दिन को मनाते हैं, ताकि मजदूरों की स्थिति समाज में मजबूत हो सके। मजदूर किसी भी देश के विकास के लिए अहम भूमिका में होते हैं। हर कार्य क्षेत्र मजदूरों के परिश्रम पर निर्भर करता है। मजदूर किसी भी क्षेत्र विशेष को बढ़ावा देने के लिए श्रम करते हैं। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस हर साल 1 मई को मनाया जाता है। पहली बार मजदूर दिवस 1889 में मनाने का फैसला लिया गया। इस दिन को मनाने की रूपरेखा अमेरिका के शिकागो शहर से बनने लगी थी, जब मजदूर एक होकर सड़क पर उतर आए थे। भारत में मजदूर दिवस एक मई को ही मनाया जाता है। भारतमें सबसे पहले मजदूर दिवस 1923 में वामपंथियों ने चेन्नई में मनाया था। इसके बाद से देश के कई मजदूर संगठन ने मई दिवस को अपनाया और आज तक देश में एक मई को श्रमिक दिवस मनाया जाता है। आज भी दुनिया के कई देशों में एक मई का दिन मजदूरों के लिए छुट्टी का दिन होता है।

कनाडा में 1894 से सितंबर के पहले सोमवार को मजदूर दिवस मनाया जाता है। यहां श्रमिकों के संघर्ष का अपना अलग इतिहास है। लेकिन इसमें अमेरिका के मजदूर आंदोलनों का भी तालमेल रहा है। इसलिए अमेरिका की तरह ही कनाडा में भी मजदूर दिवस उसी दिन मनाया जाता है। इसी दिन कनाडा में अवकाश भी रहता है। जिन देशों में मजदूर दिवस नहीं मनाया जाता है, उनमें कुछ अफ्रीका, कुछ खाड़ी देश और मंगोलिया शामिल हैं। वहीं, जापान में 23 नवंबर को थैंक्सगिविंग डे के साथ मजदूर दिवस मनाया जाता है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में तो हर प्रांत का ही अलग-अलग मजदूर दिवस हैं। कजाकिस्तान में सितंबर महीने का अंतिम रविवार मजदूर दिवस होता है।

■ अनल पत्रवाल
संपादक, हिमाचल अभी अभी

विक्रमादित्य सिंह की कंगना को चुनौती

विक्रमादित्य सिंह ने आज से मंडी जिला में अपने चुनाव प्रचार अभियान का विधिवत आगाज किया। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कंगना कभी भी कर्मचारियों के 9 हजार करोड़ वापिस नहीं ला सकती, क्योंकि वह कर्मचारियों और ओपीसी की हितैषी नहीं है।

उन्होंने कहा कि कभी पेंशन के लिए कर्मचारियों को चुनाव लड़ने की सलाह देने वाले पूर्व सीएम जयराम ठाकुर के सुर भी अब ओपीएस को लेकर बदलने लग गए हैं...

● संजीव/गोहर

कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह ने बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत को चुनौती दी है कि अगर वह प्रदेश के कर्मचारियों की हितैषी हैं और केंद्र सरकार के साथ उनकी घनिष्ठ नजदीकियां हैं तो केंद्र के पास फंसे प्रदेश के कर्मचारियों के 9 हजार करोड़ को वापिस लाकर दिखाए। यह चुनौती उन्होंने आज नाचन विधानसभा के चौलचौक में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए दी। विक्रमादित्य सिंह ने आज से मंडी जिला में अपने चुनाव प्रचार अभियान का विधिवत आगाज किया। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कंगना कभी भी कर्मचारियों के 9 हजार करोड़ वापिस नहीं ला सकती, क्योंकि वह कर्मचारियों और ओपीसी की हितैषी नहीं है। उन्होंने कहा कि कभी पेंशन के लिए कर्मचारियों को चुनाव लड़ने की सलाह देने वाले पूर्व सीएम जयराम ठाकुर के सुर भी अब ओपीएस को लेकर बदलने लग गए हैं।

● **इतिहास पढ़कर आएं कंगना-** विक्रमादित्य ने कहा कि कंगना लगातार मंच से कहती है कि कांग्रेस हिंदू विरोधी पार्टी है। आप ये सब कहती है तो उससे पहले आप भारत का इतिहास और प्रदेश का इतिहास पढ़ कर आएं। आपको शायद पता नहीं कि हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य था जहां धर्मातरण का कानून लागू किया गया और वो भी वीरभद्र सिंह ने किया। कुल्लू और मंडी में अगर देवसदन बने हैं तो इन्हें कांग्रेस सरकारों ने बनाया है। कुल्लू दशहरे में देवी-देवताओं को मिलने वाले नजराने को भी कांग्रेस सरकारों ने ही शुरू किया है। इसलिए कंगना को इतिहास की इन बातों की जानकारी होनी चाहिए जो हमें हिंदुत्व का पाठ पढ़ा रही है।

विक्रमादित्य ने आगे कहा कि जनता तय करें कि आपको कैसा नेता चाहिए आपको एक समर्पित नेता चाहिए या अभिनेता... वो जहां जाती है वहां की वेशभूषा पहनती है, लेकिन जनता तय करें कि अगर आपको अपना महिला मंडल बनवाना है या फिर डंगा लगवाना है तो ऐसे में क्या आप मुंबई तक का सफर तय करेंगे या यहीं ये जनता ही तय करें।

आपदा के वक्त कहां थी कंगना-वहीं पीएम मोदी को लेकर विक्रमादित्य ने कहा कि मोदी यहां आकर कहते है कि उन्होंने मंडी की सेपूबड़िया खाई है... धाम खाई है, लेकिन आपदा के समय एक पैसा तक नहीं दिया गया। वहीं, कंगना पर भी विक्रमादित्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि आपने हिमाचल के लिए क्या किया? खास कर तब जब आपदा का समय चल रहा था। हम आपदा में प्रदेश के लोगों के साथ थे लेकिन आप उस समय कहां थीं।

● **विक्रमादित्य जैसे बेटे की जरूरत :** वहीं, इस दौरान कौल सिंह ठाकुर भी कंगना पर बरसते दिखाई दिए। कौल सिंह ठाकुर ने कहा कि कंगना रनौत के बारे में हम कम ही कहना चाहते है। कंगना का परिवार कांग्रेस में रहा है और अब वे लगातार बीजेपी का गुणगान कर रही है। कौल सिंह ने कहा कि कंगना क्या खाती है क्या पीती है ये हिमाचल देख चुका है, हमें ऐसी बेटी की नहीं विक्रमादित्य जैसे बेटे की जरूरत है... जो धर्म को मानते है।

आचार संहिता लागू होने के बाद पकड़ी 4 लाख लीटर अवैध शराब

ऊना : हिमाचल प्रदेश आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक करीब चार लाख लीटर अवैध शराब को कब्जे में लिया जा चुका है। हालांकि प्रदेश भर में आबकारी एवं कराधान विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई बदस्तूर जारी है। हिमाचल प्रदेश के एक्साइज कमिश्नर और आईएएस अधिकारी यूनुस ने ऊना में कहा कि आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नंबर पर प्रदेश के सीमांत क्षेत्र से ज्यादा शिकायतें मिल रही हैं और विभाग द्वारा पड़ोसी राज्य की टीम के साथ मिलकर लगातार कार्रवाई को भी अमल में लाया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश के आम लोगों से भी विभाग द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नंबर पर अवैध शराब या किसी भी प्रकार से चुनाव को प्रभावित करने वाली सामग्री के संबंध में शिकायत करने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नंबर पर प्रदेश के सीमांत क्षेत्र से अधिकतर शिकायतें मिल रही हैं। जिसके चलते पुलिस द्वारा स्थानीय स्तर पर तैयार की जा रही अवैध शराब के भी कई मामलों का भंडाफोड़ किया। आबकारी आयुक्त यूनुस ने बताया कि विभाग द्वारा इस कार्रवाई में पड़ोसी राज्य के विभाग के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश पुलिस की भी मदद ली जा रही है।

• दुखद...

पिता पर पेट्रोल छिड़क लगाई आग

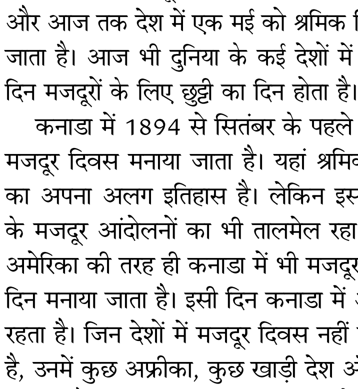

हमीरपुर : हमीरपुर जिले के पुलिस थाना भोरंज के तहत टिक्कर खतरियां में एक व्यक्ति ने अपने ही पिता पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मामूली कहासुनी होने पर बेटे ने अपने पिता पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। जिस पर पिता ने भोरंज पुलिस थाने में बेटे पर मुकदमा दर्ज करवा दिया है। रघुवीर सिंह पुत्र कीतो राम गांव घलेड़ा डाकखाना टिक्कर खतरियां ने शिकायत दी है कि गुरुवार रात्र लगभग 9 बजे उसके बेटे पम्मू से किसी बात को लेकर उनकी बहसबाजी हो गई। बहसबाजी इतनी बढ़ गई कि उसके बेटे ने पेट्रोल की बोतल उठाकर उसके ऊपर डाल दी और आग लगा दी। इससे रघुवीर सिंह आग से झुलस गया। परिजन उपचार के लिए झुलसे व्यक्ति को भोरंज अस्पताल लाए, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद हमीरपुर अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद खराब हालत को देखते हुए टांडा रेफर कर दिया है। वहीं पुलिस ने बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया है।

• जिताऊ उम्मीदवारों को देगी टिकट...

शिमला : कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संजय अवस्थी का कहना है कि बीजेपी हमेशा बांटने की राजनीति करती है लेकिन इस बार भाजपा इसमें कामयाब होने वाली नहीं है देश की जनता बीजेपी को सत्ता से बाहर करेगी। वहीं प्रदेश में दो लोकसभा और 6 उपचुनाव पर उम्मीदवारों को लेकर अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस इन सीटों उम्मीदवारों को लेकर मंथन कर रही है और जल्द ही उम्मीदवारों की सूची भी जारी करेगी उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिकाऊ नहीं बल्कि जिताऊ उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतरेगी।